

DPN 5601

Title: मन्त्रसफु MANTRA SAPHU

Run. No. 6292

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र मन्त्रसफु

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 17 X 8.5

Folios 6

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator देवमुनि वज्राचार्य

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 819

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyaasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

मन्त्रादिर वरिष्ठ इ मन्त्रसफु ॥ लिखिते वज्राचार्य देवमुनि
वचना दयका ॥ शापुरि ज्ञो ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥ स्यात्तु नमो भगवते ॥

प नः रजयगस ॥ वायाव ॥ वसुधकाव न य ॥ यन नम



कसिनद्रा यिदा ॥

रयज नन ॥ रयज नन ॥ रयज नन ॥ रयज नन ॥



असक ॥ असक ॥ असक ॥ असक ॥

१यस्य॥ग्याचनार्ककसन॥ कागजसं॥वाअव॥यज्ञ



सिऊ

याय॥अनन॥अन॥सिऊनना॥सिहावस॥या

यजि॥निअयन॥

धोयस्तु॥ आ॥ ॐ ॐ जानागयष्टी च॥ लगस्तु जहस्तनः
॥ न नानिष्टयिनायन्या॥ सिध च कनिविकचा॥ इयुगनाच
कानया॥ यानाचनयस्तुयन॥ ॐ न्युजायावावला॥ क्रनाम
कचाय॥ यकारस्तुकायाचनयस्तुयन॥ यनस्तुलगन
॥ चरुयाकावाथचनवाजावा॥ धयक्यान्याचयस्तु
मकुरयावास्तुववस्तुननानीचायिव॥ नचिलस्तुववस्तु
॥ कुरुवस्तु॥ ननानी॥ माचावयिव॥ कुर्यास्तुन॥ ७ ॥

२ॐ नमः काशीकायेश्वर ॥ कूं कूं वूं मूं नेजाकदास जग
जीगनमहा ॥ स्यादसाया ॥ तानय्यद्य
द्य ॥ यथादवन्तमदाद ॥ यथानय ॥ यथादवन्य ॥
सल्लिहिता ॥ बलियाकि ॥ नय ॥ जा ॥ दा ॥ प्राचाहं समय ॥
यजायाय ॥ जाययायासकु ॥ प्राच १०२ जाययादाववा
न्याययादायकाविद्यारुपा ॥ ७ ॥ २ॐ ह्रीं रुक्मिण्यै
नायः मतसिद्धिर्दरिद्रात्मजक्र २४ क्रजयामवय २५

हं हं हं हं ॥ यमनना ॥ प्राय २० जल चालि ॥ अं
 चि ॥ हाचकन जाययाटाव ॥ अं जल लसुयवठ कसन
 स्या ॥ अं जल लसुयका ॥ अं कन कन स्या ॥ ७ ॥ अं उं हं न
 हं हं हं ॥ अं जल लसुयका ॥ अं जल लसुयका ॥ अं जल लसुयका
 या चकायाव ॥ नहि यनि निंदाव ॥ कानकाव न्यायाव
 नामडा ॥ अं जल लसुयका ॥ अं जल लसुयका ॥ अं जल लसुयका
 ॥ अं जल लसुयका ॥ अं जल लसुयका ॥ अं जल लसुयका

५६ के ३

हो॥ काया वा क्रम नाथ्या॥ जायथा मनु रूपा॥ ७

॥ १३ गजाधीनाया॥ उं दारि नाचहिं रुमा॥ यिथ काल

रुचवने जाँना यदं किना मं किनी॥ हनयन ए यना

लिममि रंगदनि गुरु किमगानि रूचवना॥ १४

वाच॥ प्रलन रुचनयाय मनु॥ उरी नंगाया॥ नारयन रुकु

या॥ ७ ॥ १५ रूपा रुना॥ हलि धाया॥ रुना॥ चूनया काय

॥ नकम मनु॥ जायथाया॥ मनु रूपा॥ उं कन रुखा ला॥ मनु

नमना॥ ६७ ३३०॥ १२ नियरु नं वाय हन गिरु॥ न रुखा ला॥

गिय रुचवा वा रुचय मना॥

१३ ममि रुचवदि॥ उ ममन रुच॥ लिखिना वजाचा रुचवम

नः यवना रुका॥ मम रुचि रुपा॥